Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 28-11-2006
Participants : Dasmunsi Shri Priya Ranjan,Suman Shri Ramji Lal

an>

Title: Alleged interference by Governor in day-to-day matters of Uttar Pradesh.

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में ...*

उपाध्यक्ष महोदय :मोहन सिंह जी आप बैठिए, मैंने सुमन जी को बोलने के लिए समय दिया है।

...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद): उपाध्यक्ष महोदय, हमने कल विनम्र आग्रह किया था कि उत्तर प्रदेश में राज्यपाल संविधान के अनुकूल आचरण नहीं कर रहे हैं। असल सवाल यह है कि देश की जो संघीय व्यवस्था है, उस व्यवस्था को तहस-नहस करने का, उस पर हमला करने का काम विभिन्न प्रान्तों के राज्यपाल केन्द्र सरकार की शह पर कर रहे हैं।...(व्यवधान)

कुँवर मानवेन्द्र सिंह : यह हमला आप कर रहे हैं, राज्यपाल नहीं।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Kunwar Manvendra Singh Ji, please sit down and listen.

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have asked him time to speak.

... (*Interruptions*)

कुँवर मानवेन्द्र सिंह : लोकतंत्र पर हमला करने में...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मानवेन्द्र सिंह जी, मैंने सुमन जी को बोलने के लिए समय दिया है। आप शान्त रहिए।

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, इनको रोकिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मानवेन्द्र सिंह जी, आप शान्त रहिए।

...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, यह ठीक नहीं है। अगर ये लोग ऐसा करेंगे तो कांग्रेस का कोई भी सदस्य नहीं बोलने पाएगा।...(व्यवधान) आप लोग बैठिए, मुझे उपाध्यक्ष महोदय ने बोलने का समय दिया है।...(व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, इन्हें रोकिए, इस तरह से व्यवधान पैदा किया जा रहा है।...(व्यवधान) इन लोगों द्वारा जानबूझकर व्यवधान पैदा किया जा रहा है।...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश के राज्यपाल वही कर रहे हैं जो दिल्ली की केन्द्र की सरकार उनसे करवा रही है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :सुमन जी, आपको जो कुछ कहना, एक मिनट में कहिए।

...(व्यवधान)[H30]

* Expunged as ordered by the Chair.

उपाध्यक्ष महोदय: मैंने उन्हें अलाऊ किया है इसलिए उन्हें बोलने दें।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: आप उन्हें सुनें। इनके बाद मैं स्पेशल मेंशन लूंगा।

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (SABARKANTHA): Mr. Deputy-Speaker, Sir, if the allegations are made, then they have to be substantiated on the floor of the House. ... (*Interruptions*) The Governor is being alleged that he is acting at the behest of the Centre. They have to substantiate this with facts and figures. ... (*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महदोय, राज्यपाल के आचरण पर सदन में पहले भी चर्चा हो चुकी है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: मिस्त्री जी, आप बैठ जाएं और मुझे हाउस चलाने दें।

श्री रामजीलाल सुमन : हम कोई आरोप नहीं लगा रहे हैं। जो राज्यपाल ने किया, वह बता रहे हैं।...(व्यवधान) क्या राज्यपाल वही करेंगे जो आप चाहेंगे...(व्यवधान)

कुंवर मानवेन्द्र सिंह : राज्यपाल महोदय ने कोई ऐसा कार्य नहीं किया जिसका उल्लेख आप यहां करना चाहते हैं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: आप बैठ जाएं।

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा था कि हम सब जानते हैं कि राज्यपाल का पद एक संवैधानिक पद होता है। हमारा आरोप है कि राज्यपाल महोदय को अपने पद के अनुरूप आचरण करना चाहिए, वह उत्तर प्रदेश के राज्यपाल नहीं कर रहे हैं। समस्त मर्यादाओं को तोड़कर उत्तर प्रदेश शासन के रोजमर्रा के कार्यों में दखलअंदाजी करना और ऐसी बात करना जो राज्यपाल के पद और प्रतिठा के प्रतिकूल है, वहां पर ऐसा काम उनके द्वारा किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में मऊ में दंगा हुआ। उस समय बिना राज्य सरकार को विश्वास में लिए वहां के राज्यपाल घटनास्थल पर गए। इसी तरह कल-परसों पुलिसकर्मियों के बीच बोलते हुए उन्होंने पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाया। आएदिन इस तरह की घटनाएं उत्तर प्रदेश में उनके द्वारा हो रही हैं। उत्तर प्रदेश के दो मंत्रियों को शपथ दिलाने से इनकार कर दिया गया। किसे मंत्री बनाया जाए, यह मुख्यमंत्री का काम है और अधिकार है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई दो योजनाएं कन्या धन विद्या योजना और बेरोजगारों को भत्ता बांटने के काम पर भी रोक लगा दी गई। लगता है वहां के राज्यपाल दिल्ली की सरकार के इशारों पर काम कर रहे हैं और राज्य सरकार के कामों को इस तरह बाधित कर रहे हैं।...(व्यवधान)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): Sir, I respectfully heard the opinion of my dear friend and hon. Leader, Shri Ramji Lal Suman. Officially, on behalf of the Government, I would like to say that this is not correct. The Government of India never gives any kind of direction to interfere into the popular Government of any State, and the allegation is not correct. ... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, we shall take up the Matters of Urgent Public Importance.

Shri Raghuraj Singh Shakya – Not present.

Shri L. Rajagopal.

… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

उपाध्यक्ष महदोय: मैं अब स्पेशल मेंशन ले रहा हूं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : आप कृपया मेरा व्यवस्था का प्रश्न सुन तो लें।

उपाध्यक्ष महोदय: अभी मैंने आज का बिजनेस शुरू ही नहीं किया है।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, आज के बिजनेस एजेंडा पेपर में आइटम नम्बर 18 में नियम 377 के अधीन मामले लिस्टेड है। इसलिए पहले आप लिस्टेड बिजनेस लीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय: स्पीकर साहब ने इस पर रूलिंग दे दी है। मैं श्री राजगोपाल का नाम पुकार रहा हूं।